<u>उद्देश्य</u> - *इस कोर्स का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय शास्त्रीय संगीत (तबला) के प्रयोगत्मक पक्ष में दक्ष बनाना है।*				
द्वितीय सेमेस्टर				
6	प्रयोगात्मक - 3	एम0पी**0**ए0एम0टी0-5**07**	**200**	4
	*मंच प्रदर्शन - **20** मिनट का (निम्न तालों में से किसी एक में)*			
	इकाई **1 -** एक ताल			
	इकाई **2 -** 9 मात्रा की ताल			
	• *मंच प्रदर्शन जिस ताल में हो उसमें निम्न चीजे होना आवश्यक है-- उठान, **1** पेशकार (**3** पलटों सहित), **2** कायदे (**1** सादा व **1** तिस्त्र जाति का **3-3** पलटों सहित), **1** रेला, परन, गत, चक्करदार, टुकड़ा व तिहाई।*			
द्वितीय सेमेस्टर *विस्तृत ताल - एकताल व **9** मात्रा की ताल* — *अविस्तृत ताल - विष्णु ताल, शिखर ताल, ब्रहम ताल व दादरा।*				
सहायक/उपयोगी पाठ्य सामग्री - **1.**वसन्त, संगीत विशारद, संगीत कार्यालय, हाथरस, उ**0** प्र**0** । **2**. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव, ताल परिचय (सभी भाग),संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद। **3**. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव, ताल प्रभाकर प्रश्नोत्तरी, संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद । **4**. श्री मधुकर गणेश गोडबोले,तबला शास्त्र, अशोक प्रकाशन मंदिर, इलाहाबाद ।		**5**. डॉ**0** आबान ई**0** मिस्त्री, तबले की बन्दिशे, संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद । **6**. डॉ**0** अरूण कुमार सेन, भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल ।		